

भारत सरकार  
परमाणु ऊर्जा विभाग  
लोक सभा  
अंतरांकित प्रश्न संख्या 732  
जिसका उत्तर दिनांक 26.06.2019 को दिया जाना है

परमाणु ऊर्जा के द्वारा विद्युत उत्पादन

732. श्री विष्णु दयाल राम :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या परमाणु ऊर्जा के और अधिक प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के लिए कोई एजेंसी/संस्थान स्थापित किया जा रहा है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है;
- (ख) विभिन्न योजनाओं के लिए परमाणु ऊर्जा द्वारा विद्युत उत्पादन/उपयोग के संबंध में निर्धारित किए गए लक्ष्यों का व्यौरा क्या है;
- (ग) क्या निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया गया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और
- (घ) परमाणु ऊर्जा के लिए भविष्य की कार्य योजना क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह):

- (क) जी, नहीं। वर्ष 1958 में स्थापित परमाणु ऊर्जा आयोग (ईएसी) नाभिकीय ऊर्जा के उपयोग के संबंध में शीर्ष निकाय है, यह नाभिकीय ऊर्जा से संबंधित सभी मामलों में परमाणु ऊर्जा विभाग की नीति निर्धारित करता है।
- (ख) नाभिकीय ऊर्जा उत्पादन लक्ष्य वर्ष के दौरान, यूनिटों के योजनाबद्ध द्विवार्षिक शटडाउन (बीएसडी) और नई यूनिटों, यदि कोई हों, को ग्रिड से जोड़ने इत्यादि को ध्यान में रखते हुए परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के साथ न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के वार्षिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के भाग के रूप में, वार्षिक आधार पर निर्धारित किए जाते हैं। वर्ष 2018-19 के लिए उत्पादन लक्ष्य 36904 मिलियन यूनिट (एमयू) था।
- (ग) वर्ष 2018-19 में वास्तविक उत्पादन 37813 मिलियन यूनिट रहा।
- (घ) सरकार ने, नाभिकीय ऊर्जा से विद्युत उत्पादन बढ़ाने के लिए देश में नाभिकीय ऊर्जा की बेस संस्थापित क्षमता में वृद्धि करने की योजना बनाई है। नाभिकीय ऊर्जा की वर्तमान संस्थापित क्षमता 6780 मेगावाट है, जो निर्माणाधीन परियोजनाओं [भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड (भाविनी) द्वारा क्रियान्वित किए जा रहे 500 मेगावाट प्रोटोटाइप द्वारा प्रजनक रिएक्टर (पीएफबीआर सहित)] के पूर्ण होने पर वर्ष 2024-25 तक 13480 मेगावाट पहुँच जाएगी। सरकार ने कुल 9000 मेगावाट क्षमता के 12 नाभिकीय विद्युत रिएक्टरों को प्रशासनिक अनुमोदन और वित्तीय संस्थीकृति प्रदान की है, जिन्हें क्रमिक रूप से वर्ष 2031 तक पूरा किया जाना है। इनके पूर्ण होने पर, कुल नाभिकीय विद्युत क्षमता 22480 मेगावाट पहुँच जाएगी। भविष्य में, स्वदेशी प्रौद्योगिकियों तथा विदेशी सहयोग दोनों पर आधारित और अधिक रिएक्टरों की योजना तैयार की जा सकती है।